अध्याय 18

हिंदी का संवर्धन

हिंदी का संवर्धन

कोयला मंत्रालय सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है। इसने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है और इस प्रकार इस संबंध में मंत्रालय परिणामोन्मुख प्रयास कर रहा है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में हो रही दैनिक प्रगति की समीक्षा करने तथा सरकारी कामकाज में उसका उपयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव देने हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। इस समिति की बैठकें नियमित रूप से की जाती हैं तथा राजभाषा के प्रयोग की स्थिति के साथ–साथ राजभाषा नीति के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस समिति की दो बैठकें आयोजित की गई थीं।

हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय मंत्री जी की ओर से एक संदेश जारी किया गया जिसमें राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास करने का अनुरोध किया गया। मंत्रालय में सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के बारे में जागरूकता लाने तथा उसके प्रयोग में वृद्धि करने के उद्देश्य से 14.09.2020 से 28.09.2020 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया था। हिंदी पखवाड़े के अवसर पर प्रत्येक श्रेणी के अधिकारियोंध्कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए। हिंदी में कार्य करने में अधिकारियों और कर्मचारियों की झिझक को दूर करने के उद्देश्य से मंत्रालय समय–समय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन करता रहता है।

सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की स्थिति का जायजा लेने और राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों का समुचित अनुपालन सुनिश्चित करने और सरकारी कामकाज में राजभाषा अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में सुझाव देने हेतु संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति ने मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन 01 कार्यालय का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन 07 कार्यालयों का निरीक्षण वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया।

मंत्रालय में कार्मिकों के लिए एक लघु हिंदी पुस्तकालय है जिसमें हिंदी साहित्य की 250 से अधिक स्तरीय पुस्तकें हैं।

उपर्युक्त सभी प्रेरक और प्रोत्साहन प्रयासों का मंत्रालय में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

राजभाषा विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार कोयला मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति का गठन किया जा रहा है।

कोविड–19 महामारी के बावजूद राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किए गए।

*****

कोयला मंत्रालय
MINISTRY OF COAL

भारत सरकार
कोयला मंत्रालय
हिंदी पखवाड़ा-2020